दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

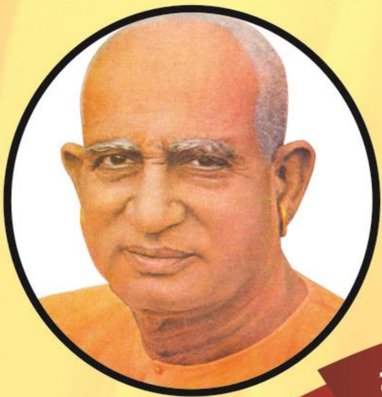

50 स्वर्ण जयन्ती
1969 - 2019

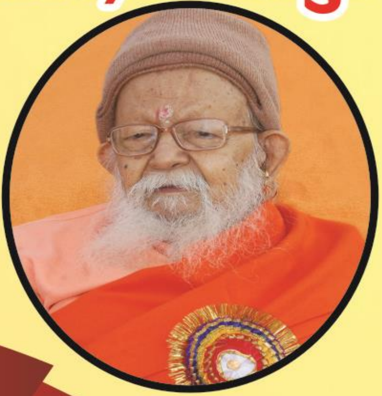

स्वर्ण जयन्ती समारोह

25.08.2019 – 31.08.2019

(युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 125वीं जयन्ती एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की जन्मशती के अवसर पर)

उद्घाटन

एवं

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान का प्रकल्प-गोरक्षनाथ साहित्यिक केन्द्र का

लोकार्पण

25 अगस्त 2019
(पूर्वाह्न 11.30 से अपराह्न 01.30 बजे तक)

अध्यक्ष

पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मुख्यमंत्री, उ.प्र.

मुख्य अतिथि

माननीय डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'
मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि

प्रो. यू.पी.सिंह, अध्यक्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर
प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, कार्यकारी अध्यक्ष, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की विकास यात्रा

पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर
महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र.

अंग्रेजी शिक्षा पद्धति के दुष्परिणामों से देश की युवा पीढ़ी को मुक्त करने की दृष्टि से देश के कुछ बड़े नगरों में राष्ट्रवादी शिक्षा के प्रयास प्रारम्भ हुए। इन्हीं प्रयत्नों की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में नाथ पंथ के तत्कालीन युवा सन्यासी युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी द्वारा युवा पीढ़ी में शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रवादी चेतना विकसित करने हेतु सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गयी। भारतीय स्वतंत्रता के स्वप्नद्रष्टा महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माध्यम से समाज में एक ऐसी तेजस्वी और तपस्वी युवा शक्ति तैयार करना चाहते थे जो स्वाधीन भारत के पुनर्निर्माण में अपनी महती भूमिका सुनिश्चित करे। ऐसी युवा शक्ति जो ज्ञानवान होने के साथ ही साथ चरित्रवान भी हो तथा व्यक्तिगत हितों के पोषण के साथ ही राष्ट्रीय हितों के रक्षार्थ सतत सक्रिय और समर्पित रहे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1949-50 में अपने इस शैक्षिक अभियान को आगे बढ़ाते हुए उच्च शिक्षा के केन्द्र के रूप में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना की। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में प्राभूत के अभाव में आ रहे अवरोधों को दूर करने हेतु अगस्त 1958 में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को विश्वविद्यालय निर्माण हेतु समर्पित कर दिया गया। तत्पश्चात् 25 अगस्त 1969 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से दिग्विजयनाथ डिग्री कालेज की स्थापना की गयी।

महाविद्यालय की स्थापना के एक महीने पश्चात् ही अपने संस्थापक युगपुरुष

महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के ब्रह्मलीन हो जाने के कारण उनके उत्तराधिकारी गोरक्षपीठाधीश्वर राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के कुशल नेतृत्व में यह महाविद्यालय चतुर्दिक प्रगति करते हुए महानगर में ही नहीं अपितु दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया एवं वर्तमान में प्रखर राष्ट्र चेतना एवं समर्पण की भावना से लोकहित में तत्पर वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उ.प्र.के माननीय मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कुशल नेतृत्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नये प्रतिमान स्थापित करते हुए अपने संस्थापकों की शैक्षिक अन्तर्दृष्टि को साकार करने हेतु पूरी प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर है। यह वर्ष हमारे लिए विशेष महत्व का है क्योंकि इस वर्ष महाविद्यालय न केवल अपने स्थापना की स्वर्ण जयंती मना रहा है बल्कि यह वर्ष महाविद्यालय के संस्थापक द्वय-युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज का 125वाँ जयंती वर्ष तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का जन्मशती वर्ष भी है।

अपनी इस पचास वर्षीय संस्थागत जीवन यात्रा में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहभागिता, सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने वाले आचार्यों, श्रेष्ठजनों एवं पुरातन छात्रों के प्रति कृतज्ञताभिव्यक्ति करते हुए हम आप सबसे संस्था के आगामी सारस्वत महाभियान में भी सहयोग की आकांक्षा रखते हैं।

महाविद्यालय की सारस्वत प्रगति यात्रा

महाविद्यालय की स्थापना	–	25 अगस्त 1969
कला संकाय की मान्यता	–	1969
यू.जी.सी. द्वारा 2 एफ की मान्यता	–	24 अक्टूबर 1970
बी.एड. की मान्यता	–	1972
विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान वर्ग) की मान्यता	–	1974
नातकोत्तर प्राचीन इतिहास की मान्यता	–	1983
वाणिज्य संकाय की मान्यता	–	2003
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यलाय अध्ययन केन्द्र की स्थापना	–	2009
विज्ञान संकाय (गणित वर्ग) की मान्यता	–	2010
स्नातकोत्तर हिन्दी व भूगोल की मान्यता	–	2010
उ0प्र0 शासन द्वारा महाविद्यालय का मूल्यांकन	–	2010
महिला छात्रावास की स्थापना	–	2011
व्यायामशाला की स्थापना	–	2012
नेटवर्क रिसोर्स सेण्टर की स्थापना	–	2012
ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज की प्रतिमा की स्थापना	–	2013
संग्रहालय की स्थापना	–	2013
नैक द्वारा महाविद्यालय का मूल्यांकन	–	2007 एवं 2014
स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, रक्षा अध्ययन, रसायन विज्ञान, वाणिज्य तथा स्नातक शारीरिक शिक्षा की मान्यता	–	2018
स्नातकोत्तर गणित एवं बी.सी.ए. की मान्यता	–	2019
गोरक्षनाथ साहित्यिक केन्द्र की स्थापना	–	2019

विशिष्ट व्याख्यान

01.30 – 3.00 बजे संवाद कक्ष

26 अगस्त 2019 : **नाथ पंथ, श्रीगोरक्षपीठ और सामाजिक समरसता**
प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज

27 अगस्त 2019 : **पर्यावरण व सतत् विकास**
प्रो. के. एन. सिंह, कुलपति, उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

28 अगस्त 2019 : **सृष्टि, सृजन एवं योग का विज्ञान**
प्रो. डी. के. सिंह, अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

29 अगस्त 2019 : **गोरक्षपीठ एवं भारतीय योग परम्परा**
डॉ. विनोद कुमार दीक्षित, पूर्व अध्यक्ष
संस्कृत विभाग, बी.आर.डी.बी.डी.पी.जी.कालेज आश्रम बरहज, देवरिया

30 अगस्त 2019 : **भारत की संत परम्परा और नाथपंथ**
प्रो. हरिकेश सिंह, कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार

30 अगस्त 2019 : **राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2019 : एक परिचर्चा** (प्रातः 10.30 से)

विशिष्ट कार्यक्रम

26 अगस्त 2019	:	रंगोली प्रतियोगिता (पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 01.00 बजे तक, स्मृति सभागार)
27 अगस्त 2019	:	भाषण प्रतियोगिता (पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 01.00 बजे तक, स्मृति सभागार)
28 अगस्त 2019	:	निबन्ध प्रतियोगिता (पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 01.00 बजे तक, स्मृति सभागार)
28, 29 व 30 अगस्त 2019	:	दिग्विजयनाथ स्मृति अन्तर्महाविद्यालयी बैडमिन्टन प्रतियोगिता
29 अगस्त 2019	:	आशुभाषण प्रतियोगिता (पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 01.00 बजे तक, स्मृति सभागार)
30 अगस्त 2019	:	लोकगीत गायन प्रतियोगिता (पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 01.00 बजे तक, स्मृति सभागार)
30 अगस्त 2019	:	नाथ पंथी पदों के गायन की विशेष प्रस्तुति (सायं 06.30–8.30 बजे तक)

स्वर्ण जयंती समारोह के उक्त कार्यक्रमों में आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
प्राचार्य

समापन समारोह

31 अगस्त 2019

(पूर्वाह्न 11.30 से अपराह्न 01.30 बजे तक)

अध्यक्ष

प्रो. उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि

डा. वी. रामानाथन

आई.आई.टी., काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी